पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार

****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, पौष 06, 1945
बुधवार, दिसंबर 27, 2023

रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया, नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की

ऑपरेशन करते समय पेशेवर आचरण और उचित सावधानी बरतने का आह्वान

अतिरिक्त सतर्क रहें; आतंक को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।: श्री राजनाथ सिंह ने सैनिकों से कहा

"सैनिकों का कर्तव्य राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना और लोगों का दिल जीतना है"

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 27 दिसंबर, 2023 को जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया तथा नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौजूदा स्थिति के साथ-साथ क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियानों का प्रत्यक्ष आकलन किया। उनके साथ सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी थे।

रक्षा मंत्री को मौजूदा सुरक्षा स्थिति, घुसपैठ रोधी ग्रिड और परिचालन तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। परिचालन चुनौतियों से जुड़े पहलुओं पर श्री राजनाथ सिंह ने कमांडरों के साथ चर्चा की। उन्होंने अभियानों को अंजाम देते समय पेशेवर आचरण दिखाने और उचित परिश्रम करने का आह्वान किया।

सैनिकों के साथ बातचीत करते हुए, रक्षा मंत्री ने कार्रवाई में मारे गए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और वीरों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने घायल सैनिकों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने सैनिकों को आश्वासन दिया कि सरकार सशस्त्र बलों के साथ खड़ी है और राष्ट्र हमेशा सैनिकों की अद्वितीय वीरता और बलिदान का ऋणी रहेगा। उन्होंने सशस्त्र बलों के कल्याण को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और जोर देकर कहा कि सुरक्षा व खुफिया ढांचे को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'भारतीय सेना कोई साधारण सेना नहीं है। सैनिक हमारे रक्षक हैं। यह उनका कर्तव्य है कि वे न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करें, बल्कि लोगों का दिल भी जीतें।' उन्होंने सैनिकों से अतिरिक्त सतर्कता बरतने का आह्वान किया, ताकि भविष्य में कोई अप्रिय घटना न हो।

रक्षा मंत्री ने इस क्षेत्र में हुई हाल की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी रैंकों से कहा कि वे प्रौद्योगिकी द्वारा सहायता प्राप्त स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार चलें तथा पक्की जानकारी के आधार पर ऑपरेशन करें। उन्होंने सभी कमांडरों से आग्रह किया कि वे स्थापित एसओपी के उल्लंघन के लिए शून्य-सहिष्णुता रखें।

श्री राजनाथ सिंह ने पुंछ जिले में बुफलियाज के तोपा पीर गांव के निवासियों के परिवारों से भी मुलाकात की। उन्होंने घटना की तेजी से जांच का आश्वासन दिया ताकि न्याय मिल सके।

रक्षा मंत्री ने सुरक्षा बलों, नागरिक प्रशासन, जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच उच्च स्तर के तालमेल के लिए संतोष व्यक्त किया। यह तालमेल सुरक्षा वातावरण में सुधार के लिए दृढ़ संकल्प का स्पष्ट संदेश पेश करता है, जो केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में विकास के नए युग को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल है। उन्होंने भारत सरकार द्वारा किए गए मुख्यधारा के प्रयासों में शामिल होने के लिए स्थानीय लोगों की दृढ़ता और योगदान की सराहना की। इस बात पर जोर दिया गया कि राष्ट्रहित के लिए विचार प्रक्रिया, संरेखण व सामूहिक संकल्प में एकता ही केंद्र शासित प्रदेश में शांति तथा विकास की उपलब्धि के लिए सबसे महत्वपूर्ण आधार है।

रक्षा मंत्री की यात्रा से पहले, सेना प्रमुख ने 25 दिसंबर, 2023 को क्षेत्र का दौरा किया था और भारतीय सेना के सभी रैंकों को हर चुनौती के खिलाफ दृढ़ रहते हुए पेशेवर तरीके से ऑपरेशन करने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने मानवाधिकारों का सम्मान करने तथा किसी भी रूप में उनके उल्लंघन पर शून्य-सहिष्णुता दिखाने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया था।

एबीबी/एसएस